हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 8 फरवरी 2026

8 हरियाणवी नृत्य में अंजलि गीत में सलोनी रही विजेता

10 ढाबों के पास अवैध पार्किंग पर 69 को थमाए नोटिस

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। अवैध कॉलोनियों में डीटीपी द्वारा लगाया नोटिस बोर्ड।

अवैध कॉलोनियों में डीटीपी ने लगाए नोटिस बोर्ड

बहादुरगढ़। शहर में कट रही अवैध कॉलोनियों का संज्ञान लेते हुए जिला नगर योजनाकार द्वारा वहां नोटिस बोर्ड लगाए जा रहे हैं। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी का दावा है कि मुख्यमंत्री के आदेश पर अवैध कॉलोनियों पर यह बोर्ड लगाए जा रहे हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष के लोग विपक्ष के साथ मिलकर अवैध कॉलोनियां काट रहे हैं।

इतिहास से अनभिज्ञ है राहुल गांधी: छिल्लर

बहादुरगढ़। संसद भवन परिसर में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को राहुल गांधी द्वारा गद्दार कहे जाने की

जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने निंदा की है। उनके अनुसार राहुल गांधी को न भारत के इतिहास की समझ है और न ही उसके भूगोल की। वे गैर-जिम्मेदाराना बयान देकर न सिर्फ संवैधानिक पदों की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं, बल्कि समाज में विभाजन फैला रहे हैं। भाजपा के जिला महामंत्री ने कहा कि राहुल गांधी शायद 1984 के सिख विरोधी दंगों में अपनी दादी इंदिरा गांधी की भूमिका को पूरी तरह भूल चुके हैं। यह निंदनीय बयान लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी खिलाफ है।

महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज में हुए साक्षात्कार

बहादुरगढ़। नूना माजरा स्थित महाराजा अग्रसेन केदारनाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज में शनिवार को वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया गया। इसमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीनियर रेजिडेंट एवं रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर के विभिन्न पदों के लिए बड़ी संख्या में योग्य उम्मीदवारों ने भाग लिया। चयन समिति में ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. मीना गुप्ता, डॉ. ओपी कालरा, डॉ. पूनम अग्रवाल, डॉ. हर्ष राज नेहरा, राजेश गुप्ता व संजय गुप्ता शामिल रहे। चयन समिति द्वारा अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अनुभव, व्यावहारिक ज्ञान, क्लीनिकल दक्षता एवं शिक्षण क्षमता का गहन मूल्यांकन किया गया।

रोज-डे पर खूब हुई गुलाब की बिक्री

बहादुरगढ़। रोज-डे के साथ ही वेलेंटाइन वीक शुरू हो गया है। शनिवार को रोज-डे पर युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। फूलों की दुकानों पर सुबह से ही युवाओं की भीड़ नजर आई। युवाओं ने जमकर गुलाब की खरीदारी की। इस दौरान गुलाब के लाल, पीले व सफेद गुलाबों की खूब बिक्री हुई। दुकानदारों ने भी गुलाबों के मनमाफिक रेट वसूले। अन्य दिनों के मुकाबले गुलाब का फूल दो से तीन गुना दाम पर बिका। उसके बावजूद लोगों ने फूलों की खूब खरीदारी की।

राजकीय महिला कॉलेज में मनाया उल्लास उत्सव

हरियाणवी एकल नृत्य में अंजलि और गीत में सलोनी रही विजेता

बहादुरगढ़। उल्लास के समापन पर प्रिंसिपल व स्टॉफ के साथ छात्राएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शनिवार को राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम उल्लास का भव्य आयोजन किया गया। प्राचार्या अल्का गुलाटी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, गायन, कविता पाठ, फाइन आर्ट्स और मेहंदी लगाने जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संयोजिका डॉ सीमा ने बताया कि हरियाणवी एकल नृत्य में अंजलि ने प्रथम, चेतना ने द्वितीय और अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरियाणवी सामूहिक नृत्य में खुशी और कीर्ति की जोड़ी ने प्रथम स्थान, जबकि अंजलि और तमन्ना की जोड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

■ हिंदी कविता पाठ में साक्षी रही प्रथम

एकल नृत्य में मुस्कान ने प्रथम, पूजा ने द्वितीय और मीनाक्षी ने तृतीय स्थान हासिल किया। सामूहिक नृत्य में सृष्टि, अनीता, भावना और सत्यवान का ग्रुप प्रथम रहा। भावना और कृपा का ग्रुप दूसरे स्थान पर रहा। गीत, गजल व भजन गायन में सलोनी ने प्रथम, मीनाक्षी ने द्वितीय और शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिन्दी कविता पाठ में साक्षी पहले, निधि दूसरे और डिंपल तीसरे स्थान पर रहीं।

मेहंदी प्रतियोगिता में राधिका रही प्रथम

अंग्रेजी कविता पाठ में लुभावना ने प्रथम, प्राची ने द्वितीय और डिंपल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत श्लोक उच्चारण में सलोनी ने प्रथम, हर्षिता ने द्वितीय और मीनाक्षी ने तृतीय स्थान हासिल किया। मेहंदी प्रतियोगिता में राधिका ने प्रथम, त्रिशा दूसरे और सोना तीसरे स्थान पर रहीं। सुदेश राठी, संगीता गोयल, डॉ शिल्पा, डॉ शीतल, डॉ. रीना, डॉ. सुशीला, डॉ. शशि भारद्वाज, रेखा, डॉ. रितु गहलावत, तनवीर, ज्योति, डॉ. मंजू छिकारा व पूनम निर्णायक की भूमिका निभाई। मंच संचालन डॉ सीमा, डॉ ललित और डॉ सुशीला ने किया। प्राचार्या ने सभी विजेता छात्राओं को बधाई दी।

गीत गायन में मोंटी एवं भजन गायन में मुस्कान बनी विजेता

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

■ राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम रंग तरंग का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शनिवार को राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम रंग तरंग का समापन हो गया। विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, संगीत, नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य दलबीर सिंह ने की। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। गीत गायन में प्रथम मोंटी, द्वितीय दीपिका और तृतीय व मुस्कान रहे। भजन गायन में मुस्कान पहले, मीनाक्षी व वैष्णवी दूसरे तथा दीपिका तीसरे स्थान पर रही। एकल नृत्य में रिंकी पहले, इशिका दूसरे व उर्वशी तीसरे नंबर पर रही। इस दौरान उप-प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक राजीव आसीवाल व सह-संयोजक डॉ. विनोद कुमार के कुशल मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. मंजू दलाल ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ विकास शौकीन, कोमल, जयदेव मुखर्जी और प्रदीप भारती ने अपना सहयोग दिया। प्रिंसिपल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

स्कूल बस की चपेट में आने से पूर्व फौजी घायल

बहादुरगढ़। गांव लोहारहेड़ी में एक निजी स्कूल बस की चपेट में आने पर बुजुर्ग पूर्व फौजी घायल हो गए। उनको दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। घायल की पहचान करतार सिंह निवासी लोहारहेड़ी के रूप में हुई है। आर्मी से रिटायर्ड करतार सिंह का कहना है कि मकान के नजदीक एक स्कूल बस रुकी हुई थी। जब वह सड़क पार करने लगे तो इसी दौरान चालक ने बस तेजी से बैक कर दी और मुझे टक्कर लग गई। टक्कर लगने के बाद बस का पहिया मेरे पांव पर चढ़ गया, जिससे हड्डी टूट गई। हादसा बस चालक की लापरवाही के कारण हुआ है। बस हसनगढ़ स्थित एक निजी स्कूल की है।

एचएसवीपी कर्मचारियों व ठेकेदार में हुआ समझौता

■ भविष्य में किसी कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार पर बड़ा आंदोलन करने की दी चेतावनी

■ 28 कच्चे कर्मचारियों का चयन कर रिकॉर्ड अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। मांगों को लेकर नारेबाजी करते कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

मांगों को लेकर एचएसवीपी कर्मचारियों ने शनिवार को भी धरना दिया। हालांकि ठेकेदार ने यूनियन कार्यालय पहुंचकर माफी मांगी और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने का आश्वासन दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। रविवार को भी कर्मचारियों ने धरना देने का एलान किया है। कर्मचारी नेताओं के अनुसार, कार्यकारी अभियंता अमित राठी ने बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 28 कच्चे कर्मचारियों का चयन कर रिकॉर्ड अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी ठेकेदारों को पत्र जारी कर निर्देश दिए जाएंगे कि कोई भी ठेकेदार मनमर्जी से कर्मचारियों को न हटाए, न बदली करे और न ही किसी के साथ असभ्य व्यवहार करे। उल्लंघन करने पर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई होगी। वहीं, यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आरके नागर ने कहा कि यदि भविष्य में किसी कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार हुआ तो यूनियन आंदोलन तेज करेगी। हालांकि कार्यकारी अभियंता द्वारा उठाए गए कदमों पर यूनियन ने संतोष जताते हुए उनका धन्यवाद किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर धीर सिंह नागर, अजीत सिंह, श्रीपाल, मदन मोहन नागर, शुभम सोलंकी, विकास कुमार, सनी, रमेश कुमार विधलान, रोमन जून, विजय कुमार, सुरेंद्र, राजू, जतिन, सतीश कुमार और विनोद कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्लास्टिक के विरुद्ध पोस्टर बनाकर निकाली रैली

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित साप्ताहिक शिविर के 5वें दिन स्वयंसेविकाओं ने सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। स्वयंसेविकाओं ने रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया। शनिवार को सबसे पहले स्वयंसेविकाओं ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ आशिमा के दिशा निर्देशन में प्लास्टिक मुक्त भारत विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। इसके उपरांत जागरूकता रैली निकाली गई। प्राचार्या अलका गुलाटी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया।

नन्हे छात्रों ने रेट्रो डांस से मोहा मन

■ कार्यक्रम में शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 60 छात्रों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सम्मान समारोह में विद्यार्थियों के साथ प्रिंसिपल व निदेशक।

शहर के सेंट सोल्जर एमआर पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सत्र 2025–26 के दौरान शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 60 मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल निदेशक डॉ. हरिंद्र सिंह व प्रधानाचार्या मधु दहिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग श्रृंखला प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे विद्यार्थियों द्वारा रेट्रो डांस प्रस्तुत किया गया। कक्षा 11वीं की छात्राओं द्वारा समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। कक्षा 8वीं की छात्राओं द्वारा हिप-हॉप डांस प्रस्तुत किया गया। छात्रों की दृष्टि में शिक्षा विषय पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। कक्षा छठी की छात्राओं द्वारा ने राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में पंजाबी नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र बना। मंच संचालन सीमा व गरिमा ने किया।

बिहार पुलिस के एसआई की तबीयत बिगड़ने से मौत

बहादुरगढ़। बिहार पुलिस के सब इंस्पेक्टर की यहां तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने परिजनों के बयान लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू करा दी है। मृतक की पहचान करीब 59 वर्षीय पवन कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पवन कुमार बिहार पुलिस में एसआई थे और गत 28 जनवरी को बेगूसराय कोर्ट में गवाही पर गए थे। इसी दौरान वहां कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली तो अफरा-तफरी मच गई। उनका परिवार यहां बहादुरगढ़ में शास्त्री नगर में रहता है। शुक्रवार को उनकी तबीयत बिगड़ी तो एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर लाइनपार थाने से पुलिस अस्पताल में पहुंची और कार्रवाई शुरू कराई।

जोनल स्पर्धा में छाए परनाला के विद्यार्थी

■ मयंक, संजीत और खुशी ने क्विज प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। अतिथियों व आयोजकों के साथ विजेता विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

जोनल कानूनी साक्षरता मिशन के अंतर्गत हुई प्रतियोगिता में परनाला के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बारहवीं के छात्र मयंक, संजीत और खुशी की टीम ने क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, कानूनी व सामाजिक मुद्दों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसमें 12वीं की छात्रा कामना का विशेष योगदान रहा। प्रधानाचार्या संतोष कुमारी ने संबंधित अध्यापकों के साथ चारों विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मनुज मिस्टर व दीपांशी बनी मिस डीएवी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह हुआ। रक्षित को मिस्टर और आरजू को मिस पर्सनेलिटी, आर्या दीप मिस्टर और हर्षिता को मिस टैलेंटेड, मनुज को मिस्टर डीएवी तथा दीपांशी को मिस डीएवी का खिताब मिला। नृत्य, गीत, फैशन शो तथा मनोरंजक खेलों समेत कई सांस्कृतिक गतिविधियां हुई। शालू शर्मा, निशा, प्रतीक्षा और वाश्वी, काव्या, निकिता, वंशिका, शानवी, अंजली और दिव्यांशी ने मंच संचालन किया। ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य के रूप में गणेश वंदना प्रस्तुत की। प्रधानाचार्या राजदीप कुलश्रेष्ठ ने कड़ी मेहनत, लगन, ईमानदारी और दृढ़ निश्चय के साथ निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। साथ ही जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी।

सेंच्युरी स्कूल में फेयरवेल पार्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने 12वीं के छात्रों के सम्मान में भव्य एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया। हर्षित मिस्टर और दीपाली मिस सेंचुरी चुने गए। वंश मिस्टर व माही मिस पर्सनेलिटी बने। दीप प्रज्वलन एवं स्वागत उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने सीनियर्स का स्वागत उपरांत मधुर गीत, ऊर्जावान नृत्य एवं लघु मनोरंजक प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए रोचक खेल, प्रश्नोत्तरी एवं मंचीय संवाद का आयोजन किया। सीनियर्स के साथ बिताए गए अनुभवों को 11वीं के बच्चों ने साझा किया। प्रधानाचार्य वीएन झा ने 12वीं के विद्यार्थियों को परीक्षाओं के साथ ही जीवन की आगामी चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किए गए।

मॉडर्न स्कूल में रिया बनी मिस फेयरवेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

मॉडर्न स्कूल में सीनियर विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। शनिवार को हुए कार्यक्रम में छात्राओं ने सांस्कृतिक गतिविधियां प्रस्तुत की। नृत्य, गीत, भाषण व मनोरंजक प्रस्तुतियां देकर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। मंच का कार्यभार कक्षा 11वीं साइंस की काजल और निकिता ने संभाला। कक्षा 12वीं आर्टस की छात्रा रिया को मिस फेयरवेल चुना गया और 12वीं कॉमर्स की महक को मिस मॉडर्न का खिताब मिला। स्कूल चेयरमैन राकेश सांगवान व डायरेक्टर उर्मिला सांगवान सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य इस अवसर पर उपस्थित रहे। सीनियर विद्यार्थियों को उपहार प्रदान किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

खबर संक्षेप

प्राकृतिक खेती को लेकर गांवों में किया जागरूक

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती योजना के अंतर्गत रासायनिक-मुक्त कृषि को प्रोत्साहित करने तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से जिले के सभी गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य खेती की लागत को कम करना, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार लाना तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती।

खिलाड़ियों का भविष्य बर्बाद कर रही सरकार : जून

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने आरोप लगाया कि हरियाणा की भाजपा सरकार की बेरुखी खिलाड़ियों का भविष्य बर्बाद कर रही है। उनके अनुसार

प्रदेश के 235 खेल मैदान आज खेलने लायक नहीं बचे हैं, जो सरकार की नाकामी का जीता-जागता सबूत है। जून ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदकों की झड़ी लगा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भाजपा सरकार उन्हें बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित कर रही है।

सड़कों पर फैले गंदे पानी की दुर्गंध ने लोगों का जीना कर दिया मुहाल

सीवरेज व्यवस्था चरमराई, बेरी गेट, भट्टी गेट और सीताराम गेट सहित कई जगह भरा पानी

बार-बार शिकायत करने पर कर्मचारी आते हैं, काम भी करते हैं लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। भट्टी गेट क्षेत्र में गड्ढे में भरा और बेरी गेट क्षेत्र में सड़क पर फैला सीवरेज का गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

शहर में सीवरेज व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। बेरी गेट, भट्टी गेट, सीताराम गेट सहित अधिकांश क्षेत्रों में दिनभर सड़कों पर गंदा पानी फैला रहता है। जिसके कारण उठ रही दुर्गंध के कारण लोगों का जीना मुहाल हो रखा है। लोगों का कहना है कि दुर्गंध के कारण जहां वातावरण प्रदूषित हो रहा है, वहीं बीमारियां फैलने का भी अंदेशा बना हुआ है। बेरी गेट निवासी सुनीता, बाबूलाल, अजय, सुनील आदि ने बताया कि उनके यहां दो माह से सीवरेज ब्लॉक हैं। बार-बार शिकायत करने पर कर्मचारी आते हैं, काम भी करते हैं लेकिन कोई स्थाई समाधान नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण आमजन में संबंधित विभाग और प्रशासन के प्रति रोष भी बना हुआ है।

मशीन से भी करवाई जा चुकी सफाई

बेरी गेट मोहल्ला निवासी सुनील जांगड़ा ने बताया कि पिछले कई महीनों से सीवरेज लीकेज समस्या से परेशान है। सारा दिन घर के बाहर गंदा पानी फैला रहता है। घर में बैठना भी दूभर हो रखा है। बीमारियां फैलने का भी डर सताने लगा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी औपचारिकता पूरी करके चले जाते हैं। मशीन से भी सीवरेज की सफाई करवाई जा चुकी है। फिर भी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

मेनहॉल को कर दिया बंद

भट्टी गेट मोहल्ला निवासी राज सिंह सैनी ने बताया कि उनके घर के सामने सीवरेज का मेनहॉल था जो सड़क बनाने के समय ढक दिया गया। बाद में ठीक करने के लिए गड्ढा खोदा गया। लेकिन समस्या ठीक नहीं हुई तो वे उसे अधर में छोड़ कर चले गए। जिसके कारण परेशानी हो रही है। गड्ढे में पानी भरा रहता है जिससे दुर्गंध उठती रहती है।

जल्द करवाया जाएगा समस्या का समाधान: नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में अब आया है। जल्द समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

झज्जर। मोदी और ट्रंप के प्रतीकात्मक पुतले के साथ विरोध प्रदर्शन करते हुए किसान मजदूर। फोटो : हरिभूमि

मुक्त व्यापार समझौते के विरोध में किसान व खेत मजदूरों का प्रदर्शन

■ ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने मोदी व ट्रम्प का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भारत और अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा पर शनिवार को ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने मोदी व ट्रम्प का प्रतीकात्मक पुतला फूंक कर विरोध जताया। शहर के रेवाड़ी बाईपास पर हुए इस प्रदर्शन के दौरान जिला कमेटी सदस्य ओमबीर सिंह ने कहा कि ट्रंप के दबाव में आकर अमेरिकी वस्तुओं पर जीरो प्रतिशत आयात शुल्क की अनुमति देकर सरकार ने देश के लोगों के साथ विश्वासघात किया है।

इस समझौते के बाद अमेरिका से आयात दोगुना हो जाएगा। वह भारत के विशाल बाजार में बिना आयात शुल्क दिए अपने उत्पादों को बेचेगा लेकिन अमेरिका जाने वाले भारतीय उत्पादों पर टैरिफ लगेगा जो गलत है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से देश का लघु उद्योग और कृषि क्षेत्र बर्बाद हो जाएगा।

इस मौके पर संसार सुरेहती, किशन छबीली, प्रवीण, रवि, विक्रांत, बलजीत सिंह, सलमान, फुरखान, सुरेंद्र, जशीन सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

डकैती व अपहरण मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

11 लाख छीनकर हिमाचल ले जाकर की थी मारपीट, गाड़ियों में आए थे बदमाश

■ तीनों आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो : हरिभूमि

सीआईए की एक टीम द्वारा डकैती व अपहरण मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सीआईए प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर ने बताया कि बीते 30 अक्टूबर को महाराष्ट्र निवासी सतीश अपनी गाड़ी में धान की फसल लेने के लिए झज्जर मंडी आया हुआ था। जब वह झज्जर-रेवाड़ी हाईवे पर स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो दो गाड़ियों में आए लगभग छह युवकों ने उसकी गाड़ी को रोक लिया था। आरोपियों ने सतीश के साथ मारपीट की, वाहन के शीशे तोड़ दिए तथा गाड़ी में रखे लगभग 11 लाख रुपये और उसका पर्स छीन लिया था। इसके उपरांत पीड़ित को आरोपियों के अन्य साथियों को सौंप दिया था, जो उसे जबरन हिमाचल प्रदेश ले गए और वहां उसके साथ मार पिटाई की थी। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया गया था। मामले में उप निरीक्षक आजाद कुमार की टीम ने तीन आरोपियों को पकड़ा है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान रमेश निवासी नारकंडा शिमला, पंकज शिलारू शिमला व रामलाल निवासी काछीकोट शिमला के तौर पर की गई है। पकड़े गए आरोपियों से वारदात में प्रयोग दो गाड़ी बरामद की गई है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से तीनों आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

संस्कारम् विश्वविद्यालय में किया विद्यार्थी परिषद का गठन

विद्यार्थी परिषद की अनुशंसा पर दवा में मिलेगी 20 प्रतिशत छूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों के साथ मंच पर उपस्थित विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल। फोटो : हरिभूमि

संस्कारम विश्वविद्यालय के दादा लालचंद सभागार में शनिवार को विद्यार्थी परिषद के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के अधिकारों, सुविधाओं और कल्याण के लिए कार्य करने वाला सशक्त माध्यम है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि यदि कोई विद्यार्थी एक यूनिट रक्तदान करता है, तो विद्यार्थी परिषद की अनुशंसा पर वह अपने किसी परिचित के लिए दो यूनिट रक्त प्राप्त कर सकेगा। इसके अलावा परिषद की सिफारिश पर विद्यार्थियों को दवाइयों की खरीद पर 20 प्रतिशत तक की छूट भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय की आंख और कान के समान है, जो छात्रों की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने के साथ-साथ संस्थान की प्रगति के लिए सतत मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अंतर कॉलेज प्रतियोगिता के शिक्षण कौशल में इशिका दहिया और पीपीटी में श्रेया बनी विजेता

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज इन टीचर एजुकेशन के विद्यार्थियों ने गुरुग्राम में आयोजित 17वीं वार्षिक अंतर कॉलेज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने बताया कि चौधरी प्रताप सिंह मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हुई इस प्रतियोगिता में शिक्षण कौशल में इशिका दहिया, सोलो सोंग में निशांत व पीपीटी में श्रेया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा रंगोली में सूर्यस्नता और यशिका व कैलिग्राफी में स्नेहा ने द्वितीय तथा डुएट डांस में कोमल और जयलक्ष्मी को तृतीय स्थान मिला। इस उपलब्धि पर संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल ने विजेता विद्यार्थियों बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

राजकीय महाविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन

कैंप के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने सीखे फायर एंड सेफ्टी के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। शिक्षकों व अतिथियों के साथ उपस्थित स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप के तीसरे दिन स्वयंसेवकों को फायर एंड सेफ्टी की जानकारी दी गई। शिविर की शुरूआत एनएसएस के लक्ष्य गीत व योगाभ्यास से हुई। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर पिंकी रानी ने बताया कि सीआईएसएफ झाड़ली से देवेंद्र सिंह, कांस्टेबल परीक्षित सिंह व अंकित सिंह ने स्वयंसेवकों को अग्नि शमन यंत्रों की जानकारी दी। उन्होंने आग बुझाने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले उपकरणों की जानकारी देते हुए उन्हें चलाने का अभ्यास भी कराया। इसके बाद सासरौली के संजीवनी अस्पताल से डॉक्टर अमित, डॉक्टर अनुज, सहायक मनीष कुमार की टीम ने स्वयंसेवकों की नेत्रजांच की। सायंकालीन सत्र में रिटायर्ड पुलिस अधिकारी रामकुमार दहिया ने स्वयंसेवकों को मानसिक स्वास्थ्य, आत्मा की शुद्धि व ध्यान के महत्व के साथ-साथ आत्मा का ध्यान लगाने के प्रेरित किया। इस मौके कुमारी सोनू रानी, डॉक्टर ओमपति, डॉक्टर प्रियंका, प्रविंद्र ढिल्लो, नवीन कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

निशांत को मिस्टर फेयरवेल और निकिता को मिस फेयरवेल का मिला खिताब

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स को विदाई दी। पार्टी में बारहवीं आर्ट्स से निशांत को मिस्टर फेयरवेल व विज्ञान संकाय से निकिता व कॉमर्स संकाय से निकिता को संयुक्त रूप से मिस फेयरवेल चुना गया। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि इस दौरान स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया व प्रबंधक केएम डागर ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस मौके पर एचओडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, प्रियंका यादव, अजय जाखड़, म्यूजिक टीचर जितेंद्र, आर्ट टीचर रितिका सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ नई यात्रा की प्रेरणा दी

झज्जर। आयोजित विदाई समारोह में स्कूल निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत के साथ उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। आरईडी स्कूल में शनिवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को विदाई दी। हवन के साथ शुरू हुए इस समारोह में निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत और उप निदेशक शैलेंद्र अहलावत ने विशेष रूप से शिरकत की। हवन में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों ने सामूहिक रूप से प्रार्थना कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बारहवीं कक्षा की छात्रा निशु और अंजलि ने विद्यालय के अनुभवों को सांझा किया। मुख्यातिथि जितेंद्र सिंह अहलावत ने कहा कि आज के समय में सही और सोच-समझकर लिए गए निर्णय ही व्यक्ति को सही दिशा में आगे बढ़ाते हैं। उप निदेशक शैलेंद्र अहलावत ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ जीवन की नई यात्रा शुरू करने की प्रेरणा दी। प्राचार्या गीता गाबा ने विदा होने वाले विद्यार्थियों से उम्मीद जताई कि वे जहां भी जाएंगें, अपने कर्म, संस्कार और मेहनत से विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

गांव दुजाना में शनिवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संत रविदास के विचारों, उनके जीवन दर्शन तथा सामाजिक समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री बनवारी लाल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला ने बताया कि इनके अलावा प्रदेश सह-संयोजक राजकुमार कटारिया, जिला संयोजक जेपी चेयरमैन, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, राजेश वाल्मीकि, संजय कबलाना, दिनेश कौशिक, मनीष नंबरदार आदि भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि बनवारी लाल ने अपने संबोधन में गुरु रविदास के जीवन संघर्ष, उनके सामाजिक सुधार आंदोलन, समरस समाज की परिकल्पना तथा सामाजिक समानता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से गुरु रविदास द्वारा बताए गए सत्य, करुणा और समानता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

स्काउटिंग के मूल्यों और जीवन कौशल का प्रशिक्षण दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कैंब्रिज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के प्रथम कैंप का आयोजन किया गया। तीन दिनों तक चले इस कैंप में विद्यार्थियों ने अनुशासन, नेतृत्व, टीम वर्क, प्राथमिक उपचार, देशभक्ति एवं सेवा भावना से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कैंप का संचालन एचएसजी प्रशिक्षक उमंग गिल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्काउटिंग के मूल्यों और जीवन कौशलों का प्रशिक्षण दिया।

इस दौरान कैंब्रिज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन शरद यादव ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कैंप विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और आत्मनिर्भरता के लिए बहुत आवश्यक है। प्राचार्य डॉक्टर मंजीत कुमार ने प्रतिभागियों को कैंप में सीखी गई बातें अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सार्वजनिक सूचना

न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली
केस नं० 579/N.T. तिथि दायरा 28/08/2025 तिथि पेशी 18/02/26 मौजा लाड़पुर तह० बादली जिला झज्जर

मॉडल इकोनोमिक टाऊनशिप लिमिटेड हाल आबाद प्लॉट नं0 77-बी, तृतीय तल, सैक्टर-18. इफको मार्ग, गुरूग्राम-122015 - (हरियाणा)। मार्फत अधिकृत प्रतिनिधि रविन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री धूपसिंह।
....प्रार्थी

बनाम

1. सन्तोष विधवा व 2. नीरज पुत्री व 3. सन्दीप पुत्र विरेन्द्र सिंह पुत्र रघबीर। 4. अशोक कुमार पुत्र रघबीर सिंह पुत्र टेकचन्द। उपरोक्त सभी निवासीयान व बिस्वेदारान गांव लाड़पुर, तहसील बादली जिला झज्जर।
...उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं0 157/117, मौजा लाड़पुर, जमाबन्दी साल 2022-23 तहसील बादली जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मॉडल इकोनोमिक टाऊनशिप लिमिटेड गुरूग्राम बनाम सन्तोष आदि निवासीगण गांव लाड़पुर, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा लाड़पुर, दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 18/02/2026 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन/वकालतान पेश होवे अन्यथा आपके विरूद्ध यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। यह समन/विज्ञापन आज दिनांक 22/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

हस्ता/-सहायक कलेक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली

NEWTON SCHOOL
Estd.1988
Run & Managed by:
NEW HEIGHTS
School for Competition
Foundation for NEET, JEE, NDA, CLAT & Other Competitions
For registration 9991671999, 9991671888

NEWTON SCHOOL is well known for its outstanding academic results and higher standard of discipline.
Admissions Open for the session 2026-27
NEW HEIGHTS has given maximum number of selections in NEET, IIT-JEE & NDA.
Regular Classes for 11th start from 16th March 2026.

Urgently Require
- PGT: Maths-1, Chemistry-1, Biology-1, Physics-1, English-1, Music-1, Geography-1, Political Science-1, Accountancy-1, Business Studies-1, Economics-1
- TGT: Hindi-1, English-1, Science-1, Maths-1, S.S.-1, Sanskrit-1
- PRT-2, Computer Teacher-1
- Computer Operator-1, Receptionist-1, Peon-4

Walk in for Interview on 8th Feb. 2026 (Sunday) at 10 a.m.

खबर संक्षेप

देवीलाल पार्क से साइक्लोथॉन आज

बहादुरगढ़। क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट, जैन सेवा मंडल व बीएलके-मैक्स हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बहादुरगढ़ में साइक्लोथॉन का आयोजन किया जा रहा है। राइड फॉर होप, राइड फॉर लाइफ थीम पर आधारित इस साइक्लोथॉन में लगभग 150 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। डॉ. अजय जैन ने बताया कि साइक्लोथॉन का उद्देश्य स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और लोगों को नियमित व्यायाम के प्रति प्रेरित करना है। कार्यक्रम सुबह करीब आठ बजे देवीलाल पार्क के गेट नंबर एक से शुरू होगा। साइक्लोथॉन का रूट देवी लाल पार्क से शुरू होकर रोहतक-दिल्ली रोड, रेलवे रोड, नाहरा-नाहरी रोड, फिर रोहतक रोड से वापस देवीलाल पार्क निर्धारित किया गया है। साइक्लोथॉन शुरू होने से पहले विशेषज्ञों द्वारा लोगों को शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा।

महिलाओं को पांच लाख तक का ऋण मिलेगा

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मातृशक्ति उद्यमिता योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को बैंकों के माध्यम से पांच लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। जिससे वे अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकें। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन करें।

यूरोलॉजी का निःशुल्क जांच शिविर आज

बहादुरगढ़। शहर के दिल्ली अस्पताल में रविवार 8 फरवरी को यूरोलॉजी (मूत्र रोग विशेषज्ञ) का निःशुल्क जांच व परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। शिविर में मूत्र संबंधी रोगों की जांच व विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध रहेगा। इस शिविर में हिस्सा लेकर मरीज लाभ उठा सकते हैं।

आईजी की चेतावनी - हाईवे पर दुकान के बाहर अवैध पार्किंग पर होगी कार्रवाई

ढाबों के पास अवैध पार्किंग पर पुलिस ने 69 को थमाए नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बेतरतीब पार्किंग से धुंध में बढ़ जाता है हादसों का खतरा

हाईवे और मुख्य सड़कों के किनारे ढाबों व दुकानों के बाहर भारी वाहनों की अवैध पार्किंग से हररोज हादसों का खतरा बना हुआ है। सैकड़ों की संख्या में ट्रक, ट्राले व टैंपो आदि ढाबों के किनारे या हाईवे पर खड़े रहते हैं। खासकर धुंध के दौरान तो यह खतरनाक हो जाते हैं। इस पर जिला पुलिस ने संज्ञान लेते हुए 69 ढाबा संचालकों, चाय की दुकान व टायर पंक्चर की दुकान के मालिकों को 168 बीएस के तहत नोटिस जारी किए। इन्हें साफ चेतावनी दी गई कि अपने संस्थान के बाहर अवैध पार्किंग न होने दें। यदि भारी वाहन खड़े मिलते हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस ने इस दौरान नियमों तोड़ने वाले वाहनों के चालान भी किए।

जिला पुलिस द्वारा हाईवे और मुख्य सड़कों पर स्थित ढाबों के पास की जा रही अवैध पार्किंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का मकसद यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना रहा। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कई ढाबों के बाहर भारी वाहन और अन्य गाड़ियां सड़क किनारे अवैध रूप से खड़ी की जा रही थीं, जिससे न केवल यातायात बाधित हो रहा था बल्कि राहगीरों और वाहन चालकों की जान को भी खतरा उत्पन्न हो रहा था।

झज्जर। थाने के निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड की जांच करतीं आईजी।

पुलिस कमिश्नर ने किया थानों का निरीक्षण

झज्जर। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने माछरौली और साल्हावास थानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसरों, रिकॉर्ड संधारण, रात्रि गश्त व्यवस्था एवं स्टॉफ की तैनाती का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ढाबा संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्रतिष्ठानों के आसपास अवैध पार्किंग न होने दें नहीं तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तूड़ी से भरे दो वाहनों को किया इंपाउंड

रात्रि चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान दो ऐसे वाहन पकड़े गए, जिनमें भारी मात्रा में तूड़ा भरा हुआ था। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दोनों वाहनों को तुरंत प्रभाव से इंपाउंड किया गया। आईजी ने कहा कि नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यही है अंदेशा

सड़क किनारे खड़े ट्रक से दूसरे ट्रक की टक्कर में चालक की मौत

बहादुरगढ़। बादली के निकट केएमपी एक्सप्रेस वे पर शनिवार सुबह हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे खड़े वाहन से ट्रक टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू करा दी है। इस संबंध में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ बादली थाने में केस दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान युद्धवीर के रूप में हुई है। वह सोनीपत जिले के रिढाऊ गांव का रहने वाला था और रोहद के निवासी ट्रांसपोर्टर नकुल की गाड़ी चलाता था। शनिवार सुबह करीब चार बजे वह रोहद स्थित एक कंपनी से कैंटर में क्वाइल लोड कर बावल के लिए रवाना हुआ। बादली में केएमपी पर पेट्रोल पंप के निकट सड़क किनारे एक ट्रक खड़ा हुआ था। आरोप है कि उस ट्रक के इंडिकेटर चालू नहीं थे और न ही रिफ्लेक्टर लगे थे। अंधेरे के कारण वह नजर नहीं आया और युद्धवीर का ट्रक उससे टकरा गया। टक्कर लगते ही ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ और युद्धवीर को मौत हो गई।

गैस गीजर की गैस से दम घुटने पर हुई थी युवक की मौत

गांव बाबरा में शोक की लहर

चचेरे भाई की मौत के सदमे में 16 वर्षीय बहन ने भी दम तोड़ा

- तीन सप्ताह पहले ही हुई थी तुषार की सगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

मृतक तुषार

बुलबुल

क्षेत्र के गांव बाबरा में गैस गीजर की गैस के कारण हुई एक युवक की मौत के बाद सदमे में आई चचेरी बहन ने भी दम तोड़ दिया। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। मामले की जांच अधिकारी नीलम ने बताया कि 16 वर्षीय बुलबुल पुत्री मनोज निवासी बाबरा के ताऊ के लड़के तुषार का शुक्रवार को निधन हो गया था। इसी कारण वह सदमे में थी। सुबह करीब साढ़े नौ बजे जब उसकी तबीयत बिगड़ी तो परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि बुलबुल का बीपी डाउन हो गया था। मृतका के भाई रवि की शिकायत पर इत्तिफाकिया कार्यवाई करते हुए पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतका बुलबुल के तीन भाई और दो बहन हैं, जबकि पिता का निधन हो चुका है।

इकलौता बेटा था तुषार

जानकारी के अनुसार तुषार पुत्र ओमपाल ने फार्मेसी अंतिम वर्ष की परीक्षा दी थी। वह अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। करीब तीन सप्ताह पूर्व तुषार की सगाई हुई थी। वह पढ़ाई में होनहार व मिलनसार था। परिजनों ने बताया कि वह नहाने के लिए बाथरूम में गया था। जब वह काफी समय तक बाहर नहीं निकला तो परिजनों ने देखा कि वह बेहोश पड़ा था, जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

आयुष्मान भारत में तीसरे दिन हुए 16 ऑपरेशन

झज्जर। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष सर्जिकल आयुष्मान भारत अभियान के तहत शनिवार को 16 सफल ऑपरेशन किए गए। सीएमओ डॉ. मंजू कादियान ने बताया कि झज्जर नागरिक अस्पताल में स्त्री रोगों से संबंधित तीन, सर्जरी से संबंधित पांच, हड्डी रोग से संबंधित एक तथा आंखों संबंधी तीन ऑपरेशन हुए। इसी प्रकार नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में हड्डी रोग व स्त्री रोग से संबंधित एक-एक ऑपरेशन तथा बेरी अस्पताल में स्त्री रोगों का एक तथा दंत चिकित्सा संबंधी दो ऑपरेशन किए गए।

पांच से छह डिग्री तापमान बढ़ने से ठंड से मिली राहत

- अधिकतम तापमान 25 डिग्री व न्यूनतम तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया

बहादुरगढ़। तेज धूप खिलने के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। चंद दिनों में पांच से छह डिग्री तक की बढ़ोतरी हुई है। शनिवार को इलाके में अधिकतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहा।

दरअसल, सोमवार को इलाके में अधिकतम तापमान 17 डिग्री था। इसके बाद से लगातार बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को 23 और फिर शनिवार को 25 डिग्री पहुंच गया। चंद दिनों से दिनभर तेज धूप खिल रही है। बढ़ते तापमान से लोगों को ठंड से राहत मिली है। दिनचर्या में भी बदलाव आ रहा है। केवल दिन ही नहीं, बल्कि रात के तामपान में भी तेजी से अंतर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, इस महीने के अंत तक तापमान 28 से 29 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

झज्जर। गांव दादरी तोए के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी के सहारनपुर जिला निवासी करीब 32 वर्षीय ऋषिपाल पुत्र राकेश कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ऋषिपाल अपने पिता राकेश कुमार के साथ गाड़ी पर परिचालक के रूप में रहता था। वह अपने पिता के साथ दादरी तोए क्षेत्र की एक निजी कंपनी में मॉल लेकर पहुंचा था।

कंपनी में गाड़ी खाली करने के पश्चात वे सड़क किनारे स्थित एक पेट्रोल पंप के नजदीक गाड़ी खड़ी करके अपने लिए खाना आदि बना रहे थे। इसी दौरान सड़क के दूसरी तरफ दो गाड़ियों की मामूली भिंड़त होने पर भीड़ एकत्रित हुई तो ऋषिपाल भी मामला जानने के लिए सड़क क्रॉस करने लगा। इसी दौरान वह एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गया, जिस कारण उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहगीरों व परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी जितेंद्र ने बताया कि मृतक के पिता की शिकायत पर अज्ञात गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

रंजिश में मकान के बाहर फायरिंग, दी धमकी

बहादुरगढ़। गांव टांडाहेड़ी में मकान के बाहर फायरिंग करने और परिवार को धमकी देने का मामला सामने आया है। गांव के ही एक युवक पर आरोप है। वारदात की असल वजह स्पष्ट नहीं है। सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वारदात शुक्रवार की रात करीब साढ़े दस बजे हुई। सूचना पाकर सदर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पीड़ति परिवार व आसपास लोगों से पूछताछ की। पुलिस को दी शिकायत में दलबीर ने कहा कि शुक्रवार की सुबह गांव के निवासी अमित के साथ कहासुनी हुई थी। इसी कहासुनी की रंजिश में अमित रात साढ़े दस बजे गाड़ी लेकर हमारे घर के बाहर आया। वह गाली गलौज करते हुए हमारे परिवार को उल्टा सीधा बोलने लगा। मैंने छत पर जाकर उसको पत्थर मारे तो उसने हवाई फायर कर दिया। फिर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। फिर पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने वारदात स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। दलबीर की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रतिष्ठित स्कूलों की प्रिंसिपल ने बताए टिप्स

दबाव से बचकर सिलेबस के अनुसार ही बोर्ड परीक्षा की तैयारी करें विद्यार्थी

मनोरंजक गतिविधियों को भी टाइम टेबल में जगह दें विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

कई बच्चे अच्छी तैयारी के बावजूद घबराहट के कारण बोर्ड परीक्षाओं में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसीलिए विद्यार्थियों को सिलेबस के अनुसार ही अध्ययन करना चाहिए। शहर के विभिन्न स्कूलों के संचालकों व प्राचार्यों के अनुसार स्कूल में टीचर द्वारा बताए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों और उनके द्वारा बनवाए गए नोट्स को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कम समय में अच्छी तरह पढ़ने के लिए सिलेबस की पूरी जानकारी होना जरूरी है।

सकारात्मक नजरिया रखें : जून

जीडी गोयनका स्कूल की चेयरपर्सन शैलजा जून के अनुसार विद्यार्थी सकारात्मक नजरिया रखें और चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्पर रहें। उन्हें परीक्षा में अपना सबसे बेहतर प्रदर्शन करके दिखाना है। पौष्टिक भोजन लें ताकि पढ़ने के लिए पर्याप्त ऊर्जा भी मिले। परीक्षा के दौरान किसी खास दिन आपका मूड भी खराब हो सकता है। इससे निपटने की कार्य योजना भी तैयार रखें। सोशल मीडिया से बिलकुल दूरी बना लें। पुराने प्रश्नपत्रों और मॉडल पेपर का अभ्यास करने से परीक्षा के पैटर्न की समझ बढ़ती है।

पूरी नींद भी बेहद जरूरी : आचार्य

केआर मंगलम स्कूल की प्रिंसिपल अर्पिता आचार्या के अनुसार नित्य पूरी नींद लेनी चाहिए। सुबह जल्दी उठ कर पढ़ाई करना लाभप्रद रहता है। विषय के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर खास ध्यान देना चाहिए। विद्यार्थी छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करें। नियमित रिवीजन और अभ्यास बेहद जरूरी है। समय निकालकर ब्रेक लें। क्योंकि लंबे समय तक एक जगह बैठे रहने से बोरियत होने लगती है। दूसरों से अपनी तुलना ना करें, क्योंकि यह अनावश्यक दबाव बढ़ाता है। आप अपनी मेहनत व प्रतिभा पर भरोसा रखें।

अभिभावक दबाव बनाने से बचें : पूनम सक्सेना

स्कॉलर्स ग्लोबल स्कूल की प्राचार्य पूनम सक्सेना ने बताया कि आशावादी सोच छात्रों में एक नई स्फूर्ति पैदा करती है। इसलिए परीक्षा से पहले अच्छे रिजल्ट के बारे में सोचकर उसका आनंद लें। तनाव अथवा चिंता को दूर करने के लिए किसी दवा के सेवन से बचना चाहिए। किसी विषय को समझने में मुश्किल आए तो उस बारे में टीचर या माता-पिता से सलाह ले सकते हैं। अभिभावकों को प्रेशर बनाने के बजाए बच्चों की पढ़ाई में मदद करनी चाहिए ताकि बच्चों में तनाव नहीं हो।

पढ़ाई के बीच में ब्रेक भी चाहिए : संगीता वर्मा

त्रिवेणी स्कूल की संचालिका संगीता वर्मा ने बताया कि छात्र परीक्षा की तैयारियों में खाना-पीना व रोजाना की गतिविधियां बंद कर देते हैं। ऐसे में थकान होने के कारण उनका मन पढ़ाई से ऊब जाता है और वे जबरदस्ती पढ़ते रहते हैं। ऐसा करने से तनाव और बढ़ जाता है। छात्र पढ़ाई के बीच में फ्रेश होने के लिए बाहर घूमें, दोस्तों के साथ समय बिताएं। रूचि अनुसार गतिविधि में भाग लें। पिछले पेपरों के प्रश्नों को पढ़ें और उनके उत्तरों को ठीक से समझें।

In Loving Memory of
Smt. Ram Bhateri
1938 - 05 February 2026

With deep sorrow and heavy hearts, the Gehlawat family informs the peaceful passing of Smt. Ram Bhateri, aged 88, on February 5, 2026.

Born in Village Kultana, Haryana, she embraced the values of strength, grace, and devotion from a young age. She married Sepoy Dhoop Singh of 6 MAHAR Regiment, a courageous martyr and war hero of the 1962 conflict. At the tender age of 25, she became a war widow, tasked with nurturing their 8-month-old son. As the brave wife of a soldier who sacrificed his life for the nation, she shouldered her responsibilities with remarkable courage and quiet resilience. Her life stood as a testament to sacrifice, dignity, and unwavering patriotism.

Smt. Ram Bhateri was celebrated for her brave spirit, gentle wisdom, and boundless love. She raised her family with strength and compassion, imparting values rooted in integrity and affection across generations. Her warmth touched everyone who had the honor of knowing her. Though she has departed from this world, her blessings, teachings, and memories will forever remain etched in our hearts.

She is survived and will be deeply remembered by:

- Son: Lt Col Niranjan Singh Gehlawat (Retd), Director Contracts
- Daughter-in-law:Smt. Santosh Kumari, Sanskrit Lecturer (Retd)
- Grandchildren:Mr. Prince Gehlawat & Maj. Shailli Gehlawat
- Granddaughter-in-law:Mrs. Preeti Rana , Manager, SBI
- Grandson-in-law:Maj. Abhishek Singh Thakur
- Great-grandchildren:Advaita ,Advik & Tejas

She will be lovingly remembered and profoundly missed by the entire Gehlawat, Sheoran, Rana, and Thakur families.
For condolences, please contact:
- +91 9530758981
- +91 9050889557

ॐ OM SHANTI ॐ

{ आवरण कथा / सरस्वती रमेश }

कई सदी पहले कबीर ने कहा था, 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' वास्तव में यह शब्द और इसमें निहित मनोभाव इतना गहन, इतना विराट है कि जिसकी थाह आज तक कोई नहीं लगा पाया। लेकिन जो भी इस सुंदरतम भाव को अपने मन में संजोता है, उसका जीवन आनंद से भर उठता है। इसकी पराकाष्ठा में वह स्वयं विलीन होकर भी सब कुछ प्राप्त करने की अनुभूति करने लगता है। यही वजह है कि व्यष्टि से जन्मा प्रेम समष्टि से एकाकार हो जाता है।

जीवन का गहनतम सुंदरतम मनोभाव प्रेम

यह सही है कि बीते कई वर्षों से वैलेंटाइन-डे का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इस वजह से पूरे फरवरी को प्रेम का महीना माना जाने लगा है। इसकी आहट के साथ ही बाजार, प्रेम के प्रतीकों से सज जाते हैं। उपहार और गुलाबों की भरमार हर ओर दिखाई पड़ने लगती है। सवाल है, क्या वास्तव में प्रेम का उपहार और बाजार से कोई लेना-देना होता है? सदियों पहले कबीर दास जी कह गए हैं-

प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई।
राजा परजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई।।

वे कह गए हैं कि प्रेम का बाजार से कोई लेना-देना नहीं होता है। सच्चा प्रेम न तो खेत में और न ही भौतिक वस्तुओं से उपजता है। प्रेम तो आत्म बलिदान मांगता है। प्रेम एक सघन-गहन भावना है। इसकी खरीदी-बिक्री नहीं हो सकती। इसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है, हृदय के गहनतम अंतःस्थल में। बाजार सिर्फ छलावा और दिखावा को पोषित करता है, प्रेम को नहीं।

गहन-असीमित है प्रेम में निहित भाव

प्रेम की संकल्पना इतनी विस्तृत और गहन होती है कि इसे किसी भाषा में मुकम्मल रूप में व्यक्त कर पाना संभव ही नहीं है। ढाई अक्षर के प्रेम शब्द की व्याख्या करने बैठो तो समुद्र की सीमाएं कम पड़ जाएं, आकाश का विस्तार बौना जान पड़े। प्रेम का स्वरूप असीम है। प्रेम की संकल्पना जितनी सरल लगती है, उतनी गूढ़ भी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, प्रेम को एक अबूझ रहस्य कहते थे, क्योंकि इसे समझाने का कोई जरिया नहीं है। इसे तो वही समझ सकता है, जिसने स्वयं प्रेम किया हो। प्रेम में आत्म का बलिदान किया हो। जैसे राधा ने किया, मीरा ने किया। राधा-कृष्ण के प्रेम के गूढ़ रहस्य की व्याख्या सबने अपने-अपने तरीके से की है। युगों पहले दोनों वृंदावन की गलियों में शरीर रूप में उपस्थित रहे, पर वास्तव में दोनों का प्रेम आलौकिक, अशरीरी रहा। इसमें ना मिलन की चाह थी, ना सदैव साथ रहने की कोई इच्छा। सिर्फ स्वीकार्य भाव। कृष्ण का राधा के प्रति। राधा का कृष्ण के प्रति। राधा जानती थीं कि श्रीकृष्ण अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। इसीलिए उनका प्रेम कृष्ण के पथ का कभी रुकावट नहीं बना। उनका प्रेम तो आत्मा के देवालय में प्रज्ज्वलित दीपक समान शाश्वत है। हर वक्त, हर परिस्थिति में दिपदिपा रहा है। श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी और कृष्ण से दूर रहकर भी। इसकी दीप्ति में कोई कमी नहीं आती। असल में प्रेम वही है, जिसमें कोई चाह ना हो। कोई शर्त ना हो। जहां चाहना और शर्तें आईं, वहीं प्रेम व्यापार हो गया। 'तुम मुझे प्रेम करो, क्योंकि मैं तुमको प्रेम करता हूं।' जहां यह भाव आता है, वहां प्रेम सौदा बन जाता है। उसका सौंदर्य मलिन हो जाता है। प्रेम तो प्रियतम की आत्मा का विस्तार है, जिसमें अंत में प्रियतमा को भी विलीन हो जाना है। जैसे गोपियां श्रीकृष्ण के प्रेम में विलीन हो गईं। जैसे हीर, रांझा के प्रेम में विलीन हो गई। *'रांझा-रांझा करदी वे, मैं आपे रांझा होई।'*

प्रेम में चालाकी नहीं चलती

प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति के कण-कण में प्रेम रचा बसा हुआ है। प्रेम को सबसे पवित्र भावना माना गया है। प्रेम के बल पर ईश्वर को भी जीता जा सकता है। लेकिन प्रेम में चालाकी का कोई स्थान नहीं। प्रेम, स्वार्थ, गणना और छल से परे एक पवित्र भाव है। जहां चालाकी आ जाती है, वहां विश्वास का क्षय होता है और प्रेम व्यापार बन जाता है। सच्चा प्रेम न तो लाभ देखता है, न ही हानि। वह निःस्वार्थ, निष्कपट और समर्पित होता है। चालाक व्यक्ति प्रेम को अपने हित के लिए साधन मानता है, जबकि प्रेम स्वयं में साध्य है। इसलिए प्रेम तभी शुद्ध, दीर्घकालिक और स्थायी रह सकता है, जब उसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सच्चाई हो। घनानंद कह गए हैं-

अति सूधो सनेह को मारग है,
जहां नेकु सयानप बांक नहीं।

प्रेम से उपजते हैं जीवन मूल्य

प्रेम हमारे जीवन का सबसे उदात्त और शाश्वत मूल्य है। यह जीवन का मूल आधार है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के लिए कुछ जीवन मूल्यों की आवश्यकता होती है। ये जीवन मूल्य प्रेम से ही उपजते हैं। प्रेम कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की शक्ति देता है। जीवन के महानतम उद्देश्य भी प्रेम के अभाव में अधूरे व निरर्थक सिद्ध होते हैं। प्रेम वह रोशनी है, जो जीवन को अर्थ व दिशा प्रदान करता है। देखा जाए तो सृष्टि के कण-कण में प्रेम समाहित है। सुबह की लालिमा, बारिश की रिमझिम बूंदें, वासंती हवाएं, फूलों में बसी सुगंध और नदियों के कल कल निर्मल प्रवाह के जरिए प्रकृति हर ओर प्रेम का संदेश प्रवाहित करती है। प्रेम वह शक्ति है, जिससे यह सृष्टि परिचालित होती है, जिसने अब तक मनुष्यता को बचा कर रखा है।

कम न हो प्रेम की महत्ता

जीवन में प्रेम का महत्व एक गहन सत्य है। प्रेम का कोई स्थानापन्न नहीं है। पूरा ब्रह्मांड प्रेम की असीम ऊर्जा व अदृश्य डोर से बंधा हुआ है। लेकिन बीते कुछ दशक से प्रेम के मूलाधार में कुछ अशक्तता आई है। विश्वास, करुणा, बलिदान, समर्पण जैसे भावों में संकुचन दिखलाई पड़ा है। नित्यप्रति एकाकी होती व स्व में सिमटती जा रही दुनिया के लिए प्रेम के विस्तार को जानना, समझना आज और भी आवश्यक हो गया है। *

विज्ञान की नजर में प्रेम

प्रेम, दुनिया की सबसे कोमल लेकिन सबसे शक्तिशाली भावना भी है। एक खूबसूरत पर जीवन का रूपांतरण करने वाला अहसास है प्रेम। इस अहसास को विज्ञान अपने नजरिए से व्याख्यायित करता है। विज्ञान कहता है कि हमारे हृदय में प्रेम की चिंगारी जलाने के लिए डोपामाइन हार्मोन जिम्मेदार है। जब हम किसी के प्रति अपनापन महसूस करते हैं, उससे गले मिलते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन भी निकलता है। वहीं दिल की धड़कन बढ़ने पर एड्रेनेलिन नामक हार्मोन निकलता है। इन हार्मोंस के अधिक मात्रा में निकलने के कारण व्यक्ति को विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण या अपनेपन की भावना महसूस होती है। यही हार्मोंस दिमाग में प्यार का अनुभव कराते हैं। हालांकि मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रेम को सिर्फ हार्मोन के जरिए समझना आसान नहीं है, क्योंकि प्रेम में जितनी इनकी भूमिका होती है, उतनी ही आपसी समझ, देखभाल, त्याग, भरोसा और भावनात्मक लगाव की भी भूमिका होती है। हार्मोन का काम तो कुछ देरी का होता है। लेकिन भावनाएं लंबे समय तक काम करती हैं और एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। जिस तरह शरीर के लिए भोजन, पानी और गतिशीलता की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क के लिए प्रेम की।

शोर कम-समझ ज्यादा

बदल रहे प्यार के मायने

भले ही एक वर्ग के लिए वैलेंटाइन-डे प्रेम के इजहार और उल्लास का पर्व है। लेकिन युवाओं में ही एक वर्ग ऐसा भी है, जो प्यार के इस उत्सव को भी सहजता से मनाता है। उनके लिए प्रेम, दिखावा नहीं साझेदारी और समझदारी का रिश्ता बन चुका है।

{ नया दौर
डॉ. अनिता राठौर }

सुबह के 7 बजे हैं। एक छोटे से फ्लैट में दो लोग रोज की तरह अपने अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत करने लगते हैं। जबकि उस दिन 14 फरवरी है यानी, प्रेम का दिन, वैलेंटाइन-डे। लेकिन आस-पास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती है और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग बोले जाते हैं। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का-सा मुस्कुराता चेहरा। आप भले न यकीन करें, लेकिन सच है कि परिपक्व सोच रखने वाले बहुत से युवा युगलों का प्यार, शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ हो चुका है। आज का प्यार, दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। यानी, एक वर्ग के लिए प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के संग आ गया है। इसमें मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा शामिल हो चुकी है।

अब भावना नहीं साझेदारी

आज की समझदार पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। मिलकर उठाई जाने वाली जिम्मेदारियां। इसलिए आज के कपल मिलकर करियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर खुलकर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आज के समय में, 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं?'

स्पष्टता है सबसे बड़ी खूबी

आज कपल्स के प्यार में जितनी स्पष्टता है, इतनी पहले कभी नहीं रही और यही आज के प्यार की सबसे बड़ी खूबी है। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते? मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं? याद रखिए, यह स्पष्टता रिश्तों को तोड़ती नहीं है बल्कि ज्यादा मजबूत बनाती है, क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते बहुत जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं।

अब प्यार का हिस्सा है मेंटल हेल्थ

आज के युवा इस बात को भली-भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। इसलिए अब पार्टनर्स एक-दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बिना झिझक खुलकर बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से न झिझकते, न कतराते हैं।

आज के युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं है। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जाएगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं जुड़ाव का माध्यम है। भले पुरानी पीढ़ी के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन आज के दौर में प्यार करने वाले युवा इस बात से कतई सहमत नहीं हैं। इसलिए वो वीडियो कॉल के साथ भी खाना खाते हैं। एक-दूसरे को वॉयस नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और हां, ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। उनके लिए टेक्नोलॉजी केवल टाइम पास का जरिया नहीं दिलों की दूरी कम करने के नए रास्ते भी खोलती है।

बराबरी है रिश्तों की बुनियाद

आज के प्रोफेशनल युवा यह मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं बराबरी का संबंध है, इसलिए बिना झिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। सारे फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के करियर को बराबर का सम्मान देते हैं। आज के युवाओं के बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं।' बल्कि इसकी जगह आज यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूं।' आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है, क्योंकि अब नई पीढ़ी को यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए आज के युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है।

लब्बोलुआब यह कि आज वैलेंटाइन-डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, यह एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, यह भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते, अपने साझा लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं, क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। *

{ कविता
आरती आस्था }

प्रेमानुभूति

मुझे नहीं आता
करना प्रेम
बांधकर इसे सीमाओं में
सच कहूं तो
करने-कराने जैसी शय भी
लगी नहीं मुझे कभी प्रेम
प्रेम तो नाम है बिखरने का
खुद को बिखराने का
कितना भी बिखरो इसमें
बिखराओ भी चाहे जितना
करते रहते हैं हम
प्रेमानुभूति से
समृद्ध-संपन्न-संपूर्ण
खुद को ही।

{ व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी }

इश्क की शमा जलाए रखिए

इधर कुछ दिनों से नेगेटिव होना-सोचना कतई छोड़ दिया है मैंने। ज्यादातर पॉजिटिव ही रहता हूं। देश-दुनिया की फिक्र उतनी ही करता हूं, जितना मेरा दिमाग इजाजत दे। मूड को कूल रखता हूं। दिल बहलाने के लिए, कभी-कभार, पूर्व प्रेमिका के खतों को पढ़ लिया करता हूं। उसके भेजे वैलेंटाइन-डे के कार्ड्स आज भी मन में उमंग भर देते हैं। क्या जमाना था वो। तब न सोशल मीडिया की लत थी, न गैजेट्स का शोर। सुकून के साथ इश्क का इजहार भी हो जाता था और इनकार भी। न किसी के खत वायरल होते थे, न किसी की इज्जत खराब होती थी। हां, जिनके दिल टूटते थे, वे खुद से ही जोड़ भी लेते थे। वो छत और गली-मोहल्ले वाला इश्क रह-रहकर दिल को उसी खुशनुमा दौर में लिए जाता है। खैर, आज के दौर में तो वैलेंटाइन-डे सोशल मीडिया पर शुरू होकर यहीं खत्म हो जाता है। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर इजहार हो जाता है और यहीं इनकार भी। अब स्क्रीनशॉट वायरल होते हैं। वर्चुअल लड़ाई-झगड़े होते हैं। फिर कब, कौन, कहां, किसके साथ डेट पर चल देता है, कुछ पता ही नहीं चलता। लंबे मगर खूबसूरत इश्क शायद ही निभाए या चल पाते हों अब।

बदलते दौर को देख मैंने भी अब खुद को लगभग बदल लिया है। एआई की शरण में हूं। उससे पूछ रहा हूं कि 'नई प्रेमिका संग वैलेंटाइन-डे कैसे मनाऊं?' एआई बता रहा है, 'पहले उसको व्हाट्सएप पर अच्छा-सा मैसेज लिखो। फोन पर रोमांटिक बातें करो। शाम का टाइम फिक्स कर साथ कॉफी पीना तय करो। हां, साथ एक बुके जरूर ले जाना। इतने से ही आपका दिन बन जाएगा।' प्रेमिका चूंकि नए जमाने की है। उसके नाज-नखरे कुछ अलग हैं। दिल पर तुरंत ले लेती है। अटेंशन पूरी चाहती है। इश्क को कविता की मानिंद लेती है। इसलिए ध्यान भी खास रखना पड़ता है। नया-नया मामला है। नहीं चाहता वैलेंटाइन-डे पर पानी फिर जाए।

साथी लोग समझाते हैं, इस उम्र में तुम्हें इश्क में नहीं पड़ना चाहिए। मैं उनसे पूछता हूं, 'क्यों? इश्क की कोई उम्र नहीं होती। जब दिल चाहे इश्क कीजिए। एक से कीजिए या अनेक से, यह निर्भर आपकी जिंदादिली पर। यों भी, इश्क करते रहने से उम्र बढ़ती ही है, कम नहीं होती। इश्क दिल-दिमाग को मजबूत बनाता है। इश्क में नमक भी होता है मिठास भी। वैलेंटाइन बाबा इस हकीकत को बहुत अच्छे से जानते-समझते थे।'

नेगेटिविटी का साथ छोड़ पॉजिटिव बनिए। जितना पॉजिटिव रहेंगे, उतना ही इश्क परवान चढ़ेगा। मैं पॉजिटिविटी का दामन थामे हुए हूं। तकनीक के साथ पॉजिटिव वैलेंटाइन मनाने में यकीन रखता हूं। माना कि इश्क करने के मायने-तरीके बदल चुके हैं अब, पर जज्बा तो साथ है न। काफी है। अकसर सोचता हूं, जिनकी प्रेमिकाएं नहीं होतीं, उनका जीवन कितना नीरस रहता होगा? न कोई रोमांस, न कोई उमंग, न कोई टशन। वैलेंटाइन-डे आए या चला जाए उनकी सेहत पर क्या फर्क!

पुनः कह रहा हूं, इश्क की शमा दिल में जलाए रखिए। शाम होने का इंतजार न कीजिए। जीवन जितना मिला है, इश्क के हवाले कर दिमाग को स्ट्रेस-फ्री रखिए। प्रेमिका के लिए शेर कहते रहिए। कविताएं लिखते रहिए। हर वैलेंटाइन साथ जुड़े रहिए। इश्क का रंग गाढ़ा होता रहेगा, यकीन मानिए। और हां, इश्क के साथ अक्ल कतई न लगाएं। अक्ल इश्क की नजाकत का मजा किरकिरा कर देती है।

बकौल अकबर इलाहाबादी साहब-
इश्क नाजुक-मिजाज है बेहद
अक्ल का बोझ उठा नहीं सकता। *

{ लघुकथा / डॉ. अलका जैन 'आराधना' }

सच्चा प्यार

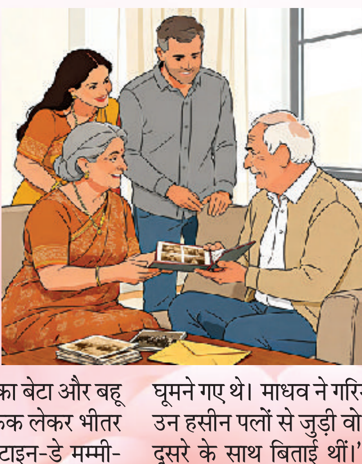

शहर की भाग-दौड़ और वैलेंटाइन-डे के शोरगुल से दूर, माधव अपने बगीचे में लगे उन पौधों को निहार रहे थे, जो वसंत की दस्तक से खिलखिला उठे थे। तभी उनकी पत्नी सावित्री, रसोई से अदरक वाली चाय लेकर बरामदे में आईं और हल्की मुस्कान के साथ माधव को चाय का प्याला थमाते हुए वहीं बैठ गईं।

तभी घर के दरवाजे की घंटी बजी। उनका बेटा और बहू हाथ में फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और केक लेकर भीतर आए। उन्होंने उत्साह में कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन-डे मम्मी-पापा!' माधव और सावित्री ने एक-दूसरे की ओर देखा। उनकी आंखों में एक-दूसरे के प्रति अगाध सम्मान था। बहू ने उत्सुकता से पूछा, 'पापा जी, आप आज मम्मीजी को क्या गिफ्ट दे रहे हैं?'

माधव ने अलमारी के दराज से एक पुराना, पीला पड़ चुका लिफाफा निकाला और सावित्री के हाथों में पकड़ा दिया। जब सावित्री ने उसे खोला तो उसमें उन तमाम जगहों की सूचियां और प्यारी तस्वीरें थीं, जहां वे पिछले चालीस सालों में साथ घूमने गए थे। माधव ने गरिमापूर्ण स्वर में कहा, 'मेरा उपहार उन हसीन पलों से जुड़ी वो यादें हैं सावित्री, जो हमने एक-दूसरे के साथ बिताई थीं।' यह देख-सुनकर सावित्री की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उनके बेटे-बहू को एहसास हो गया कि सच्चा प्यार क्या होता है! *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम कथा अनंता

जिस तरह से ईश्वर और उसकी कथा का कोई अंत नहीं है, उसी तरह प्रेम की कथा भी अनंत है। यही वजह है कि विश्व साहित्य में आरंभ से ही प्रेम पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं, लेकिन यह सिलसिला आज भी अनवरत जारी है। हिंदी जगत की अनेक पत्रिकाएं भी प्रेम पर केंद्रित विशेषांक निकालती रही हैं। इसी क्रम में 'निकट-43' का ताजा अंक आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता तो यही है कि इसमें छपी सभी प्रेम कहानियां आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई हैं। यही वजह है कि इसमें प्रकाशित कहानियों में प्रेम, रचनाकार के आत्म से संपृक्त, बहुत सांद्र रूप में प्रकट हुआ है। इसमें कुछ आलेखों, कविताओं, एक संस्मरण और तेरह प्रेम कहानियों के अलावा संपादक कृष्ण बिहारी की लंबी कहानी 'एक शिकायत विहीन प्रेमकथाः अनागत' भी मौजूद है। अधिकांश कहानियां हमें एंद्रिकता से बहुत दूर प्रेम के देखे-अनदेखे भावजगत की ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं, जहां प्रेमी और प्रेमिका के भीतर कुछ पाने की लालसा नजर नहीं आती है। वे सिर्फ एक-दूसरे के संग होने, हासिल पलों के जीने को ही प्रेम का प्रतिफल मान लेते हैं। प्रियंवद और जया जादवानी की कहानियां प्रेम को अलग ही कोण से प्रकट करती हैं तो कृष्ण बिहारी की कहानी प्रेम का नया व्याकरण रचती है। इनके अलावा कल्पना मनोरमा, पंकज सुबीर, कविता विकास, लता शर्मा और पूनम मनु की कहानियां भी अपने भावभीने कथानक और मुलायमियत भरी अभिव्यक्ति से मन में ठहर जाती हैं। अन्य कहानियां भी बेहद पठनीय हैं। ये कहानियां साबित करती हैं कि हिंसा और युद्ध की विभीषिका से आक्रांत आज के विश्व में मनुष्यता को बचाए रखने की सामर्थ्य केवल प्रेम में ही है। *

पत्रिकाः निकट-43 (आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक), **संपादकः** कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

बेमिसाल / शिखर चंद जैन

दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर प्रेम के ऐसे स्मारक मौजूद हैं, जो अमर प्रेम की कहानियों के गवाह हैं। ये ऐतिहासिक स्मारक न केवल अब विश्व धरोहर माने जाते हैं, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं। प्रेम को समर्पित ये शानदार निशानियां, हर प्रेमी युगल को प्रेरित भी करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अद्वितीय-लाजवाब-शानदार

विश्व प्रसिद्ध प्रेम के स्मारक

बोल्ट कैसल अमेरिका

बोल्ट कैसल एलेक्जेंड्रिया बे, न्यूयॉर्क में हार्ट आइलैंड पर स्थित एक शानदार ऐतिहासिक महल और लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है। इसे जॉर्ज सी बोल्ट ने अपनी पत्नी लुईस के लिए, अपने प्यार की निशानी के तौर पर बनवाना शुरू किया था। लेकिन लुईस के निधन के बाद यह अधूरा रह गया। यह एक छह मंजिला, 120 कमरों वाली राइनलैंड शैली की संरचना है, जिसमें सुरंगें, इटालियन उद्यान, एक ड्रॉब्रिज और एक ओएस्टर टॉवर नामक बच्चों का प्लेहाउस भी है। इसका निर्माण 1900 में शुरू हुआ था, लेकिन जनवरी 1904 में लुईस की अचानक मृत्यु के बाद, जॉर्ज बोल्ट का मन टूट गया। फिर उन्होंने इसे अधूरा छोड़ दिया। लेकिन यह अधूरा स्मारक, प्रेम की निशानी के तौर पर दुनिया भर में जाना जाता है।

शैटो डी चेनोंसो फ्रांस

महिलाओं का महल कहे जाने वाले इस महल की दीवारों में कई प्रेम कहानियां और रानियों के किस्से छिपे हैं। शैटो डी चेनोंसो को अकसर 'प्यार और प्रतिद्वंद्विता की निशानी' के रूप में देखा जाता है। इसकी कहानी एक प्रसिद्ध शाही प्रेम त्रिकोण से संबंधित है। दरअसल, वर्ष 1547 में फ्रांस के राजा हेनरी द्वितीय ने इस महल को अपनी प्रेमिका डायने डी पोइटियर्स को उपहार स्वरूप दिया था, जिनसे वह गहरा प्रेम करते थे। डायने ने ही शेर नदी पर वह प्रसिद्ध मेहराबदार पुल बनवाया था, जो आज इस महल की सबसे बड़ी पहचान है। लेकिन हेनरी की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रानी कैथरीन डी मेडीसी ने ईर्ष्यावश डायने को इस महल से निकाल दिया और खुद इस पर कब्जा कर लिया।

जूलियट का घर इटली

इटली देश के वेरोना में स्थित 'कासा डी गियुलिएट्टा' विलियम शेक्सपियर के पात्रों रोमियो और जूलियट के अमर प्रेम की याद दिलाता है। जूलियट का घर कासा डि गियुलिएट्टा, 13वीं सदी की एक ऐतिहासिक इमारत है। यह प्रसिद्ध 'रोमियो और जूलियट' नाटक से प्रेरित एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जहां आंगन में आइकॉनिक बालकनी और जूलियट की कांस्य मूर्ति है। हालांकि जूलियट एक काल्पनिक पात्र है, लेकिन यह घर रोमांस के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। जूलियट की मूर्ति के बारे में ऐसी मान्यता है कि मूर्ति के दाहिने हाथ को छूने से प्यार में सौभाग्य मिलता है।

कोरल कैसल अमेरिका

आपको जानकर हैरानी होगी कि एक अमेरिकी व्यक्ति एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने अपनी प्रेमिका के लिए कोरल कैसल नामक भवन खुद ही अकेले बनाया था। यह उसके प्रेम की अटूट शक्ति को दर्शाता है। फ्लोरिडा के होमस्टेड में स्थित कोरल कैसल एक रहस्यमयी पत्थर का ढांचा है, जिसे लैटिन अमेरिकी प्रवासी एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने 1923-1951 के बीच अकेले बनाया था। 1,100 टन से अधिक कोरल चट्टान से निर्मित, इस संरचना में तराशे गए कई बड़े पत्थर, दीवारें और फर्नीचर शामिल हैं, जिसे 'फ्लोरिडा का स्टोनहेंज' भी कहा जाता है। एडवर्ड का कद मात्र 5 फीट और वजन 100 पाउंड था, फिर भी उन्होंने बिना किसी आधुनिक मशीनरी के लगभग 1,100 टन वजनी पत्थरों को काटकर और तराशकर यह महल खड़ा किया था। उन्होंने यह काम लगभग 28 वर्षों तक गुप्त रूप से किया। दरअसल, अपनी मंगेतर (एग्नेस) द्वारा शादी से एक दिन पहले रिश्ता तोड़ देने के बाद, टूटे दिल के साथ एडवर्ड ने इसे एक प्रेम स्मारक के रूप में बनाया था।

एलेनोर क्रॉसेस इंग्लैंड

एलेनोर क्रॉसेस, 13वीं शताब्दी के अंत में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड प्रथम द्वारा अपनी पत्नी एलेनोर ऑफ कैस्टिले की याद में बनवाए गए 12 क्रॉस मेमोरियल हैं। वर्ष 1290 में एलेनोर की मृत्यु के बाद, दुःखी होकर राजा ने उनके अंतिम संस्कार की यात्रा के दौरान लिंकन से लंदन के बीच प्रत्येक पड़ाव (रात्रि विश्रामस्थल) पर पत्थर के ये भव्य क्रॉस बनवाए थे। इनमें से अब केवल तीन- गेडिंगटन, हार्डिंगस्टोन और वाल्थम, मूल रूप में बचे हैं। *

सबसे अनोखा ताजमहल-शालिमार बाग

अपने देश भारत में भी प्रेम की दो बेमिसाल निशानियां मौजूद हैं। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनाया गया सफेद संगमरमर का मकबरा ताजमहल, दुनिया में प्यार का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। ताजमहल, भारत ही नहीं दुनिया भर में निस्संदेह 'प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी' माना जाता है। इसका निर्माण 1631 में शुरू हुआ और 1653 में पूरा हुआ। इसे बनाने में लगभग 22,000 मजदूरों और शिल्पकारों ने काम किया था। इसे राजस्थान के मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बनाया गया, जिस पर कीमती पत्थरों की पच्चीकारी की गई है।

शालिमार बाग को मुगल बादशाह जहांगीर ने 1619 में अपनी पत्नी नूरजहां के लिए बड़े मन से बनवाया था। शालिमार बाग, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित एक प्रसिद्ध मुगल गार्डन है, जिसे 'श्रीनगर का ताज' भी कहा जाता है। यह बाग 'चहार बाग' शैली पर आधारित है और तीन छतों में विभाजित है, जो जल निकायों और फव्वारों से सुसज्जित है। यहां मौजूद चिनार के पेड़, रंग-बिरंगे फूल, दीवान-ए-खास और दीवान-ए-आम जैसे मंडप, पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह डल झील के दाहिने किनारे पर स्थित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल है।

प्रेम की भावना को व्यक्त करते प्रतीक

प्रेम की गहरी भावना को व्यक्त करने के लिए पुराने दौर से ही कई तरह के प्रतीकों का सहारा लिया जाता रहा है। प्रेमी युगल के बीच प्रचलित प्रेम के कुछ प्रतीकों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

मान्यता
अंजू जैन

प्रेमी या प्रेमिका को जब अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए शब्द नहीं सूझते या फिर वे ज्यादा प्रभावशाली तरीके से प्यार का इजहार करने की चाहत रखते हैं तो ऐसे प्रतीकों का सहारा लेते हैं, जो बिना कुछ कहे उनके दिल में उमड़ रही प्यार की भावनाओं को व्यक्त कर देते हैं। ऐसे ही कुछ प्रतीकों पर एक नजर-

वीणा: वीणा केवल संगीत का वाद्ययंत्र ही नहीं है, यह अपने मधुर सुरों के माध्यम से भावनात्मक जुड़ाव और प्रेम के गहरे पहलुओं को भी प्रकट करती है। वीणा को प्रेम, शांति और सद्भाव का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। भारतीय संस्कृति और विभिन्न वैश्विक परंपराओं में इसके अलग-अलग प्रतीकात्मक अर्थ हैं। नॉर्वे और आइसलैंड की परंपराओं में माना जाता है कि वीणा के तार एक सीढ़ी बनाते हैं, जो प्रेम और आध्यात्मिक चेतना की उच्च अवस्थाओं तक पहुंचने का मार्ग है। वीणा की मधुर ध्वनि को अकसर प्रेम के गीतों और आकर्षण से जोड़ा जाता है।

रोज क्वाट्र्ज: रोज क्वाट्र्ज को मुख्य रूप से निःस्वार्थ प्रेम, करुणा और भावनात्मक उपचार के पत्थर के रूप में जाना जाता है। यह कोमल गुलाबी रंग का क्रिस्टल हृदय चक्र से गहराई से जुड़ा होता है, जो आत्म-प्रेम रोमांटिक रिश्तों में सुधार, मित्रता और पारिवारिक प्रेम को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जाता यह प्रेम के सभी रूपों को आकर्षित करता है, प्रेम के टूटे रिश्तों को जोड़ने में मदद करता है। यह प्रेमियों के बिछड़ने से होने वाले दर्द, भावनात्मक पीड़ा और तनाव को दूर करने में सहायक है। वैवाहिक जीवन में शांति और प्रेम बढ़ाने के लिए इसे बेडरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। यह शुक्र ग्रह से संबंधित है, जो रोमांस, सौंदर्य और कलात्मकता को बढ़ाता है।

हंस: हंस अपनी वफादारी, समर्पण और आजीवन साथ निभाने के स्वभाव के कारण प्रेम, निष्ठा और पवित्रता का प्रतीक माने जाते हैं। इन्हें अकसर एक-दूसरे के साथ कपल के रूप में देखा जाता है, जो गहरे प्रेम और रोमांस का प्रतीक है। वे अपने साथी के प्रति जीवन भर प्रतिबद्ध रहते हैं और एक-दूसरे के साथ गर्दन मोड़कर दिल के आकार की आकृति भी बनाते हैं। इनके बीच इतना गहरा लगाव होता है कि लोग अकसर प्रेमी जोड़ों को 'दो हंसों का जोड़ा' कहते हैं।

सेब: सेब ऐतिहासिक और पौराणिक रूप से प्रेम, सुंदरता और उर्वरता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। ग्रीक और रोमन कथाओं में यह प्रेम की देवी एफ्रोडाइट वीनस से जुड़ा है। एफ्रोडाइट प्राचीन यूनानी पौराणिक कथाओं में प्रेम, सौंदर्य, इच्छा और प्रजनन क्षमता की मुख्य देवी थीं। रोमन पौराणिक कथाओं में उन्हें 'वीनस' के रूप में जाना जाता है। वीनस, अकसर सेब धारण किए हुए चित्रों में दिखाई देती हैं। सेब को 'प्रेम का फल' भी माना जाता है। यह अकसर काम भाव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है।

इनफिनिटी चिन्ह: इनफिनिटी चिन्ह, क्षैतिज आठ की आकृति जैसा दिखता है और शाश्वत प्रेम, अटूट बंधन व समर्पण का सार्वभौमिक प्रतीक है। इसका मतलब है वह प्यार जिसका न कोई आरंभ है और न कोई अंत। यह एक गहरा भावनात्मक प्रतीक है, जो समय और स्थान से परे शाश्वत संबंध और कभी न खत्म होने वाली प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रेमी जोड़ों या परिवार के सदस्यों के बीच के स्थायी और मजबूत संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उपयोग आभूषणों (अंगूठी, नेकलेस, ब्रेसलेट), टैटू और उपहारों में किया जाता है ताकि अपने स्नेह की गहराई को व्यक्त किया जा सके। *

आमतौर पर माना जाता है कि अगर आप सिंगल हैं यानी आपका कोई लव या लाइफ पार्टनर अब तक नहीं है तो वैलेंटाइन-डे आपको मायूस कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप अलग अंदाज में अपने साथ ही वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं।

सिंगल हैं तो क्या हुआ खुद के साथ करें सेलिब्रेट

अलग नजरिया
नम्रता नदीम

हर वर्ष 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन-डे पर सोशल मीडिया कपल्स की तस्वीरों से भरा रहता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, उन्हें यह दिन काफी चुभता है, इस दिन उन्हें अकेलेपन की पीड़ा भीतर तक सालती है। अगर आपका भी कोई पार्टनर नहीं है, आप खुद को अधूरा महसूस करते हैं तो यह सोच सही नहीं है। हम आपको बताते हैं कि कैसे अपने अकेलेपन को दूर कर, यह दिन मना सकते हैं?

खुद से ही प्यार करें

अगर आपके साथ कोई साथी न हो तो खुद को ही अपना वैलेंटाइन बनाएं। खुद को गिफ्ट करें। अकेले जाकर किसी रेस्टोरेंट में खुद को ट्रीट दें। दूसरे लोगों को एक साथ देखकर उनसे अपनी तुलना करके परेशान न हों। इससे अगर कोई आपके साथ न भी हो तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

क्या हुआ जो बैचलर हैं

अगर आपने अभी तक शादी के लिए किसी का चुनाव नहीं किया या कोई ऐसा पार्टनर आपको नहीं मिला, जिसके साथ आप जीवनभर चलने का संकल्प ले सकें, तो क्या हुआ? आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। इसमें गम मनाने की तो कोई बात नहीं। सिंगल्स के ग्रुप को ज्वाइन करें और अपने सिंगल हुड को एंज्वाय करें।

शादीशुदा भी तो खुश नहीं

अगर आपने अभी तक शादी नहीं की या किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं तो उनके बारे में सोचो, जो कपल्स शादी करके भी अकसर परेशान रहते हैं। उनसे पूछकर देखें तो वो बताएंगे कि जिन हालात में वो हैं, इससे तो अच्छा था वो शादी ही न करते। इस तरह अपने सिंगल हुड को अपनी उन्नति के लिए एक बड़ी उपलब्धि समझते हुए उसे एंज्वॉय करें। आप जो हैं, जैसे हैं, उसी में संतुष्ट रहें।

करियर पर फोकस करें

कॉलेज में अपने दोस्तों को अपनी पार्टनर के साथ खुश देखकर उनसे द्वेष करना सही नहीं है। हो सकता है वो सामान्य दोस्ती में हों, न कि एक दूसरे के गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड हों। आप भी इस तरह किसी से दोस्ती करके उस दोस्ती को भी एंज्वॉय कर सकते हैं। जो टीनएजर अपने सिंगल हुड स्टेटस को लेकर परेशान होते हैं, उन्हें अपने करियर पर फोकस करने की ज्यादा जरूरत है। क्योंकि यही वह उम्र है, जब किसी से रिलेशनशिप में रहकर अपने जीवन में तनाव पालने की बजाय करियर पर फोकस करना भविष्य के लिए ज्यादा अच्छा होता है।

अकेले होने का गम कैसा

आजकल ऐसे तमाम ग्रुप और क्लब हैं, जहां सिंगल लोग एक-दूसरे के साथ को एंज्वॉय करते हैं। वे आपस में मिलकर पार्टी करते हैं या कहीं घूमने का प्रोग्राम बनाते हैं यानी सिंगल हुड कोई कमी होने का पर्याय नहीं है। आप अपने आपको किस रूप में देखना चाहते हैं, यह ज्यादा अहम है। हमें अपने आसपास ऐसे तमाम पुरुष और महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने मन से सिंगल रहना चुना है। वे अकेले रहकर अपनी जिंदगी को बहुत ही अच्छे तरीके से जी रहे हैं। इसलिए सिंगल हुड के कई फायदे होते हैं, इसे भी समझें।

सोच समझकर बनाएं रिलेशन

आपके सर्कल में रहने वाले लड़के या लड़कियां अगर सभी किसी न किसी रिलेशनशिप में हैं और आप उनमें अकेले सिंगल हैं, तो अगर वे जबर्दस्ती आपको किसी के साथ रिलेशनशिप में आने, डेटिंग संबंधी सलाह देने या जबर्दस्ती किसी के साथ इनवॉल्व करने की कोशिश करें तो ऐसे लोगों से दूरी बना लें। क्योंकि सिंगल होने का मतलब किसी की दया का पात्र होने का नहीं है, जो लोग सिंगल होने को कमतर या बदकिस्मती समझ लेते हैं, उन्हें यह जता दें कि आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। किसी के साथ बुरे रिलेशनशिप में रहने से सिंगल होना आपको ज्यादा दिमागी सुकून देता है। प्यार का रिश्ता भले ही देर से बने लेकिन यह रिश्ता प्यारा, मजबूत और समझदारी से भरा होना चाहिए। *

सिने-ट्रेंड
अशोक जोशी

अपने आरंभिक काल से ही प्रेम आधारित कहानियों पर हिंदी फिल्में बनती रही हैं। बदलते समय और दर्शकों की पसंद के अनुसार ऐतिहासिक और लोकचर्चित प्रेम कहानियों का फिल्मी रूपांतरण होता रहा है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मी पर्दे पर खूब दिखती रही हैं

ऐतिहासिक-लोकचर्चित प्रेमकथाएं

'आम्रपाली' में सुनील दत्त के साथ वैजयंती माला

'मुगल-ए-आजम' में दिलीप कुमार-मधुबाला

जब से हिंदी फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ है, फिल्मकारों का सबसे प्रिय विषय प्रेम ही रहा है। अधिकांश फिल्मों में किसी न किसी रूप में प्रेम मौजूद रहता ही है। लेकिन कई ऐसी माइलस्टोन फिल्में भी बनी हैं, जो ऐतिहासिक या लोकचर्चित पात्रों की प्रेमकथाओं पर आधारित रही हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

खूब पसंद की गईं ऐतिहासिक प्रेम कहानियां

हमारे यहां ऐसे कई ऐतिहासिक पात्र हुए हैं, जिनकी प्रेमगाथाएं पर्दे पर ज्यादा सफल हुई हैं। इस क्रम में सबसे ज्यादा सफल फिल्म के. आसिफ की 'मुगले आजम' को माना जाता है। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर, दिलीप कुमार ने सलीम और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका में जान डाल दी थी। भव्य सेट, दिलचस्प संवाद और कर्णप्रिय गानों के बल पर यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में शामिल है। इसी के आसपास बनी 'अनारकली' में प्रदीप कुमार और बीना राय ने अभिनय किया था। सी. रामचंद्र ने इसके लिए मधुर संगीत रचा था। यह फिल्म भी सफल रही। मुगलकाल के एक और प्रेम प्रसंग पर आधारित 1963 में बनी फिल्म 'ताजमहल' शाहजहां और मुमताज महल के प्रेम पर आधारित थी। इस रंगीन फिल्म की विशेषता रोशन का मधुर संगीत था। इसके गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' और 'पांव छू लेने दो' आज भी बहुत पसंद किए जाते हैं। इसके बाद आशुतोष गोवारीकर ने फिल्म 'जोधा-अकबर' में अकबर और जोधाबाई की प्रेमकहानी को पर्दे पर उतारा। साठ और सत्तर के दशक में ऐतिहासिक प्रेम कथाओं पर आधारित जो श्वेत-श्याम फिल्में बनीं उनमें मांडू के अंतिम सुलतान बाज बहादुर और एक गड़रिया की गायिका बेटी रूपमती की प्रेमगाथा पर आधारित 1957 की फिल्म 'रानी रूपमती' में भारत भूषण और निरूपा राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी तरह मगध के राजा चंद्रगुप्त और ग्रीस की हेलेना की युद्ध के बाद प्रेम में बदली कहानी पर 1959 में बनी फिल्म सम्राट 'चंद्रगुप्त' में भी भारत भूषण और निरूपा राय की जोड़ी थी। सन 1946 में पृथ्वीराज कपूर और मीना कुमारी अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज संयोगिता' बनी थी। जो इनके प्रेम पर आधारित थी। वर्ष 2022 में यशराज फिल्म्स ने अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' का निर्माण किया था। रजिया सुल्तान और याकूत की प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म 'रजिया सुल्तान' का दो बार निर्माण हुआ। 1961 में जयराज और निरूपा राय मुख्य भूमिकाओं में थे तो 1983 में बनी 'रजिया सुल्तान' को धर्मेंद्र और हेमामालिनी की जोड़ी के लिए जाना जाता है। मगध के राजा बिंबसार और वैशाली की नगरवधु आम्रपाली की प्रेम कहानी पर आधारित लेख टंडन की फिल्म 'आम्रपाली' में सुनील दत्त और वैजयंती माला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने कर्णप्रिय थे, इसके बावजूद यह फिल्म नहीं चली। इसी तरह ऐतिहासिक प्रेमकथाओं पर आधारित 'नूरजहां', 'यहूदी' भी नहीं चल पाईं। सन 1984 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'उत्सव' प्राचीन संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम' पर आधारित थी। इसमें वसंत सेना (रेखा) और एक गरीब ब्राह्मण चारुदत्त (शेखर सुमन) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया। इसका निर्माण शशि कपूर ने और निर्देशन गिरीश कर्नाड ने किया था। हालिया बरसों में संजय लीला भंसाली की मराठा पेशवा बाजीराव और बुंदेलखंड की राजकुमारी मस्तानी की प्रेम कहानी पर आधारित 'बाजीराव मस्तानी' ने सफलता के झंडे गाड़ दिए थे।

लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में

'लैला-मजनू', 'हीर-रांझा', 'सोहनी-महिवाल', 'शीरी-फरहाद' ऐसी लोक चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनू' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में उनके भतीजे ऋषि कपूर और रंजीता अभिनीत 'लैला-मजनू' सबसे ज्यादा सफल रहीं। सन 1956 में बनी 'शीरी फरहाद' में प्रदीप कुमार और मधुबाला की भूमिकाएं थीं। लोक प्रेम कहानियों में पंजाब की माटी से जन्मी 'हीर-रांझा' और 'सोहनी-महिवाल' की प्रेम कहानियों पर सफल फिल्में बनी हैं। पहली फिल्म 1958 में बनी थी। इसमें भारत भूषण और निम्मी की भूमिकाएं थीं। इसके बाद 1984 में भारत और रूस के सहयोग से बनी 'सोहनी-महिवाल' का निर्देशन उमेश मेहरा ने किया था। इसमें सनी देओल और पूनम ढिल्लों के साथ जीनत अमान भी थीं। अनु मलिक के मधुर संगीत से रची यह फिल्म बेहद लोकप्रिय रही। राजस्थान की लोककथा पर आधारित फिल्म 'ढोला-मारू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर 'हीर रांझा' का निर्माण किया था।

कहने का सार है कि इतिहास, पुराणों और लोक संस्कृति में प्रसिद्ध प्रेमकथाओं पर फिल्मों का निर्माण हमेशा से होता रहा है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन्हें दर्शक खूब पसंद भी करते हैं। *